

RITUAL METHOD OF WEARING



GOMED – BLESSED BY RAHU

अमावस्यार शेष अंशे शनिवार वा मङ्गलवार मन्त्र जप करे धारण करते हवे।

अमावस्या के अंतमि चरण में, शनिवार या मंगलवार के दनि, मंत्र जप करके इसे धारण करना चाहए।

It should be worn after chanting the mantra during the last phase of Amavasya, on a Saturday or Tuesday.

अर्धकायं महाघोरा चन्द्रादित्तुविमदकर्म।
सिंहिकाया सुतोः रौद्र तं राहुं
प्रणम्याम्यहम् ॥

अर्धकायं महाघोरं
चन्द्रादित्यवमिर्दनम् ।सहिकायाःसुतं
रौद्रं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥

Ardhakayam
MahaghoramChandrāditya-
vimardanamSimhikayah Sutam
RaudramTam Rahum
Pranamamyaham.